No. of Printed Pages : 6

MECE–004

M. A. (ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

June, 2026

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer questions from both the Sections as per instructions.*

Section—A

Note : *Answer any **two** questions from this Section in about **500** words each.*

2×20=40

1. What is a financial asset ? Explain the three approaches to the risks associated with financial assets.

2. Explain how expected utility is used in decision-making under uncertainty. What do you understand by risk-aversion ?

3. Discuss the relationship among money supply, inflation and interest rates by using Fisher's hypothesis.

4. (a) What is the need for capital market regulator in India ? Give reasons.

   (b) Critically examine the objectives and functions of the Securities and Exchange Board of India (SEBI).

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section in about* ***250*** *words each.*

5×12=60

5. Explain the relationship between risk and return of a portfolio.

6. Discuss the links between options and loans.

7. Give a brief account of the Modigliani-Miller hypothesis.

8. Explain how Logistic Regression model can be used in credit risk analysis.

9. Explain how a customs union functions. In what respects is it different from an optimum currency area.
10. Discuss how financial intermediation helps in the creation of liquidity in an economy.
11. Distinguish between 'futures' and 'forward contract'. How do futures help in risk management ?
12. Write short notes on the following :
    (a) Over subscription of IPOs
    (b) Under pricing of IPOs

MECE–004

एम. ए. (अर्थशास्त्र)

(एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थान और बाजार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दोनों भागों से निर्देशानुसार प्रश्न के उत्तर लिखिए।*

भाग–क

नोट : *किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। शब्द सीमा **500** प्रत्येक में दीजिए।* 2×20=40

1. एक वित्तीय परिसंपदा क्या होती है ? वित्तीय संस्थाओं से जुड़ी जोखिमों के प्रति तीन दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।

2. व्याख्या कीजिए कि अनिश्चिता की दशा में निर्णय करने में प्रत्याशित उपयोगिता का प्रयोग कैसे करते हैं ? आपका 'जोखिम विरक्ति' से क्या अभिप्राय: है ?

3. फिशर की संकल्पना का प्रयोग करते हुए मुद्रा की आपूर्ति, स्फीति और ब्याज दरों के बीच संबंध समझाइए।

4. (क) भारत में पूँजी बाजार विनियामक की क्या आवश्यकता है ? कारण बताइए।

   (ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के उद्देश्यों और प्रकार्यों की समीक्षा कीजिए।

भाग—ख

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए। शब्द सीमा* ***250*** *प्रत्येक में दीजिए।* 5×12=60

5. एक परिसंपदा पत्रक में जोखिमों और प्रतिप्राप्तियों के बीच संबंधों की व्याख्या कीजिए।

6. विकल्पों और ऋणों के बीच योजकों पर चर्चा कीजिए।

7. मोडग्लियानी–मिलर अवधारणा का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

8. व्याख्या कीजिए कि साख जोखिम विश्लेषण में लॉजिस्टिक प्रतीपगमन प्रतिमान का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है ?

9. व्याख्या कीजिए कि एक सीमाशुल्क परिसंघ किस प्रकार कार्य करता है ? यह एक ईष्ट मुद्रा प्रक्षेत्र से किस प्रकार भिन्न है ?

10. चर्चा कीजिए कि वित्तीय मध्यस्तथा किस प्रकार अर्थव्यवस्था में तरलता का सृजन करती है ?

11. 'वायदों' और 'भावी अनुबंधों' में भेद कीजिए। जोखिम प्रबंधन में वायदा सौदे किस प्रकार सहायक होते हैं ?

12. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश में अत्यधिक अंशदान

(ख) प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश का अधौमूल्यन

× × × × ×